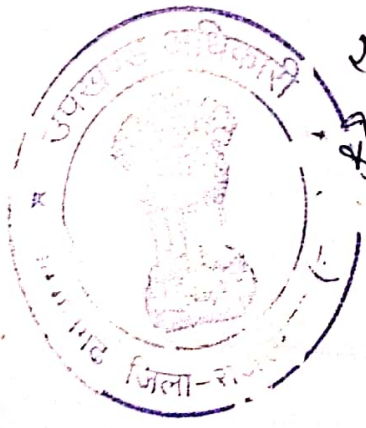


05 <sup>02</sup>/<sub>21</sub> पत्रावली पेश हुई पीछासीन अधिकारीजी  
 निम्नलिखित कार्य। अल्प कार्य  
 में ब्यस्त होने से पत्रावली पूर्व आदेश की पालना  
 में दिनांक 22.2.2021 को पेश हो।  
 15/2

22 <sup>02</sup>/<sub>21</sub> पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता डा. पी. उपरि  
 ही अधिवक्ता डा. पी. वरुण सुती  
 जहाँ पत्रावली वाले आदेश  
 दिनांक 22/02/2021 को पेश हो।

26 <sup>02</sup>/<sub>2021</sub> पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता डा. पी.  
 उपरि ही अधिवक्ता डा. पी. वरुण सुती  
 जहाँ पत्रावली वाले आदेश  
 दिनांक 26/02/2021 को पेश हो।  
 राजस्थान सरकार की अधिसूचना में  
 उल्लिखित तथ्यों की कोटेशन हुए  
 अपनी बहस में बहाल दि  
 उक्त मोपण पत्रावली मजदूर  
 जयपुर की अराजी नम्बर 444।  
 रकम 0-02-05 किस्त बीड-1 डा. पी.  
 की तम राजस्थान रेडि में दर्ज है।



उपरोक्त अधिकारी  
 कृष्णमोहन  
 जिला-राजस्थान (राज.)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, कुम्भलगढ़ जिला-राजसमन्द

संख्या ५६ सन् २०११ किस्म मुकदमा

उपखण्ड

संख्या ८१७ बनाम राजसमन्द राज्य

नांक	आदेशिका	हस्ताक्षर/सूचना
------	---------	-----------------

जिस पर अति उत्तरे हेतु आदेशी नम्बर २०५२ खण्ड  
 ६-०३-०५ किस्म मन्त्री बिलासपुर गैर आवासीय भूमि  
 अधिनियम के अन्तर्गत में दर्ज कराये जाते हैं।  
 आदेश प्रदान करने। उपरोक्त भूमि अधिनियम की  
 D.L.C. पर अनुसूचित क्षेत्रों की सीमा में  
 आते हैं। (सं. ६)

वहसीलगत सुभाषपुर से रिपोर्ट (सी  
 नं. १) वहसीलगत श्री रिपोर्ट के साथ संलग्न पत्रावली/PLR  
 रिपोर्ट पत्रावली में अनुसूचित क्षेत्रों का मकान  
 आदेशी नम्बर ५५५ खण्ड ००-०२-०५ बीपी अधिनियम  
 पर बना हुआ है।

पत्रावली एवं रिपोर्ट पत्रावली का  
 प्रस्तोक्त विवरण) अवलोकन से स्पष्ट है कि आ.नं.  
 ५५५ खण्ड ००-०२-०५ बीपी अधिनियम पर उपरोक्त  
 मकान बना हुआ है। धारा २५१ A राजसमन्द  
 सरकार की अधिनियम से सरकार को अपने क्षेत्र/  
 अधिनियम में आते जाते हैं लिए एवं अधिकार एवं  
 अधिकार उपकरण। साक्ष्य के अभाव में हेतु रास्ते प्रकार  
 किसे जाते हैं प्रावधान है। उपरोक्त प्रकार में अधिनियम  
 ०-०२-०५ बीपी अधिनियम में आते जाते हेतु रास्ता-यात्रा  
 गण है जिस पर अधिनियम का मकान बना हुआ है  
 व आवासीय उपरोक्त नुपयोग में ली जा रही है।  
 जिससे धारा २५१A के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

अतः अधिनियम का प्रावधान पर अतः धारा  
 २५१ A राज. अधिनियम अधिनियम का अस्वीकार पर खारीज  
 किया जाता है। पत्रावली के साथ अनुसूचित क्षेत्रों पर  
 नम्बर के अन्तर्गत निर्णय सुले न्यायालय में  
 सुभाषपुर गण।

उपखण्ड अधिकारी  
 कुम्भलगढ़  
 जिला-राजसमन्द (राज.)

